

विद्युत संबंधी समस्याओं व उसके निस्तारण को लेकर संवाद

वेबिनार का आयोजन

पत्रिका

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

मोहनगढ़. मोहनगढ़ सेंटर फॉर एनर्जी, एनवायरमेंट एंड पीपल की ओर से विद्युत संबंधी समस्याओं व उसके निस्तारण को लेकर विद्युत संवाद शृंखला का आयोजन किया जा रहा है। इसी के तहत कृषि उपभोक्ताओं को प्रभावित करने वाले बिजली वितरण के प्रणालीगत मुद्दों पर चर्चा के लिए वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार में राजस्थान सहित अन्य राज्यों के 64 संभागियों ने भाग लिया। विशेषज्ञों की ओर से बिजली संबंधी मुद्दों पर अपने विचार व्यक्त किए, जिसमें वास्तविक जमीनी हकीकत, तकनीकी एवं नियामक चुनौतियां



मोहनगढ़ विद्युत समस्या को लेकर वेबिनार का आयोजन।

और समस्याओं के समाधान के लिए डिस्कॉम, नियामक आयोग और संभावित विकल्प साझा किए। पैनल विद्युत क्षेत्र के विशेषज्ञ शामिल थे। में स्थानीय लोगों के साथ-साथ जिन्होंने खराब बिजली सेवाओं के

कारणों पर विस्तार से चर्चा की। जिसमें परिणाम स्वरूप फसल का नुकसान और उपकरणों की खराबी होने के बारे में बताया।

वेबिनार की शुरुआत जैसलमेर के चांदन निवासी किसान संघर्ष समिति के सचिव जेतमाल सिंह भैरवा ने की। जिन्होंने बिजली आपूर्ति में समस्याओं को साझा करते हुए बताया कि सामान्य ब्लॉक आपूर्ति का अवधि 6 घंटे का आदेश के मुकाबले मुश्किल से 4 घंटे बिजली की आपूर्ति होती है। वोल्टेज संबंधित समस्या बनी रहती है। जिसकी वजह से सिंचाई मोटर व ट्रांसफार्मर आदि खराब हो रहे हैं। सीईईपी के संस्थापक सिमरन ग्रोवर ने पैनल का संचालन किया। जिसमें जैसलमेर के सावला गांव निवासी किसान और सामाजिक

कार्यकर्ता आईवीर सिंह पातावत, डिस्कॉम के सेवानिवृत्त अधीक्षण अभियंता जेठाराम चौधरी, राजस्थान विद्युत नियामक आयोग के उप निदेशक देश तकनीकी पीके गर्ग, फेलो प्रयास एनर्जी ग्रुप पुणे की श्वेता कुलकर्णी शामिल थी। वेबिनार में कृषि उपभोक्ता को बिजली की आपूर्ति के लिए नियामक जवाब देही को बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया गया। पैनल सदस्यों ने किसान सहकारी आधारित वितरण फ्रेंचाइजी मॉडल की संभावना पर भी विस्तार से चर्चा की। विद्युत अधिनियम 2003 के प्रावधानों के अंतर्गत इसकी नियामक व्यवहारिता की पुष्टि की। पैनल सदस्यों ने सौर ऊर्जा व सौर ऊर्जा कुशल पंपों की भूमिका पर भी चर्चा की।